Dainik Bhaskar (Indore), 20th July 2025, Page – 02

आईआईटी से निकले 89 स्टार्टअप, 39 ने 500 युवाओं को दिया रोजगार

सेंट्रल इंडिया का बड़ा स्टार्टअप हब बनकर उभर रहा आईआईटी का इन्क्यूबेशन सेंटर

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर का इन्क्यूबेशन सेंटर इनोवेशन और इंटरप्रेन्योरशिप के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। सेंटर से अब तक 89 स्टार्टअप्स इन्क्यूबेट हुए। इनमें से 39 स्टार्टअप में ही 500 से ज्यादा को जॉब मिली है। इन्क्यूबेट किए 51 स्टार्टअप में से 10 अभी मार्केट वेलिडेशन की प्रक्रिया में हैं।

आईआईटी इन्क्यूबेशन सेंटर ने कम समय में ही सेंट्रल इंडिया के बड़े स्टार्टअप हब के तौर पर पहचान बनाने में कामयाबी हासिल की है। सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एजुकेशन एंड डेवलपमेंट (सीईईडी) के माध्यम से स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने में एसीई फाउंडेशन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेंटर से अब तक 89 स्टार्टअप इन्क्यूबेट किए गए हैं। इनमें से 39 ग्रेजुएट भी हो चुके हैं जहां करीब 500 एम्प्लाई जॉब कर रहे हैं। स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) के तहत आईआईटी को 5 करोड़ रुपए सहित कुल 8 करोड़ रुपए ज्यादा की ग्रांट मिल चुकी है। इस राशि का इस्तेमाल यहां काउंसलिंग, फाइनेंस असिस्टेंस, टेक्निकल गाइडेंस के लिए किया जा रहा है।

हैकथॉन से निकाल रहे इनोवेटिव आइडिया

प्रारंभिक चरण के इनोवेशन को बढ़ावा देने के अपने मिशन के तहत आईआईटी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 5.0 का आयोजन कर रहा है। इसका उद्देश्य उन आइडिया को आगे लाना है जिनमें नए समाधानों के साथ बिजनेस की संभावनाएं हैं। इसके लिए 31 जुलाई तक आवेदन किए जा सकते हैं। चुने गए आइडिया को संस्थान से इन्क्यूबेशन सेंटर से 15 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी। आइडिया हैकथॉन 4.0 में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए किफायती हाई-स्पीड कैमरा तकनीक आइडिया को आईआईटी इंदौर से 15 लाख रुपए की ग्रांट दी गई थी।

फंडिंग पहुंचाने में मदद दिलाई जाती है

इन्क्यूबेशन प्रोग्राम्स और पर्सनल गाइडेंस के माध्यम से नए आइडिया का समर्थन करने में खुशी हो रही है। इनवेस्टर नेटवर्क, वीसी और सरकारी योजनाओं के माध्यम से स्टार्टअप्स को फंडिंग तक पहुंचाने में मदद दिलाई जाती है।

– **प्रो. सुहास जोशी,** डायरेक्टर, आईआईटी इंदौर